बी.ए. कार्यक्रम

(बी.ए.जी.)
संस्कृत

सत्रीय कार्य (प्रथम छमाही)
जनवरी 2021 एवं जुलाई 2022 सत्रों के लिए

BSKC – 131 संस्कृत पद्य–साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ए. (कार्यक्रम) संस्कृत–कोर पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य (2021–22)

पाठ्यक्रम कोड : **BAG/BSKC-131/2021 - 22**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है ।

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जनवरी 2021 सत्र के लिए : विश्वविद्यालय नियमानुसार

जुलाई 2022 सत्र के लिए : विश्वविद्यालय नियमानुसार

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

(क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

(ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य : BSKC- 131 संस्कृत पद्य–साहित्य

पाठ्यक्रम कोड – **BSKC-131**
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत पद्य–साहित्य
सत्रीय कार्य – **BSKC – 131/TMA/2021-2022**

पूर्णांक – 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

(क) व्याख्या आधारित प्रश्न :–

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :– **10X3=30**

(क) तं सन्तः श्रोतुमर्हन्ति सदसद्व्यक्तिहेतव ।
हेम्नः संलक्ष्यते ह्यग्नौ विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा ।।

अथवा

सर्वातिरिक्तसारेणस सर्वतेजोऽभिभाविना ।
स्थितः सर्वोन्नतेनोर्वीं क्रान्त्वा मेरूरिवात्मना ।।

(ख) तृप्तियोगः परेणापि महिम्ना न महात्मनाम्।
पूर्णश्चन्द्रोदयाकाङ्.क्षी दृष्टान्तोऽत्र महार्णवः ।।

अथवा

मा जीवन् यः परावज्ञादुःखदग्धोऽपि जीवति ।
तस्याजननिरेवास्तु जननीक्लेशकारिणः ।।

(ग) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुविभारभूता, मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

अथवा

अधिगतपरमार्थान् पण्डितान् माऽवमंस्थाः
तृणमिव लघु लक्ष्मीर्नैव तान् संरुणद्धि।
अभिनवमदलेखा श्यामगण्डस्थलानां
न भवति बिसतन्तुर्वारणं वारणानाम्।।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न :– 5X5=25

2. गीतिकाव्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. रामायण की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

4. मुक्तक काव्य की उत्पत्ति एवं विकास पर लेख लिखिए।

5. पण्डितराज जगन्नाथ के कृतित्व पर लेख लिखिए।

6. रघुवंश महाकाव्य के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ग) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

7. महाकाव्य के लक्षण और विकास पर लेख लिखिए। 10

8 महाकवि श्रीहर्ष के शैलीगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 10

9 शिशुपाल के चरित्र का चित्रण कीजिए। 10

10 निम्नलिखित में से किन्ही तीन पर टिप्पणी लिखिए :– 15

(क) शतकत्रय (ख) रत्नाकर

(ग) कालिदास के नाटक (घ) गीतगोविन्द